विश्व कप के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम घोषित

15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में होगा एफआईएच हॉकी विश्व कप

नई दिल्ली, 21 जुलाई एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2026 के लिए भारतीय पुरुष हॉकी टीम का ऐलान कर दिया गया है. हॉकी इंडिया ने 20 सदस्यीय टीम की घोषणा करते हुए स्टार ड्रैग-फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह को एक बार फिर टीम की कमान सौंपी है. 15 से 30 अगस्त तक बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में भारतीय टीम अनुभवी खिलाड़ियों और युवा प्रतिभाओं के संतुलित संयोजन के साथ मैदान में उतरेगी.

भारतीय हॉकी को 1975 के विश्व कप खिताब के बाद पहली बार विश्व चैंपियन बनने का सपना पूरा करने की उम्मीद इस टीम से होगी. टीम के गोलकीपिंग विभाग में मोहित एचएस और सूरज करकेरा को जिम्मेदारी दी गई है. वहीं डिफेंस में कप्तान हरमनप्रीत सिंह के साथ अमित रोहिदास, जरमनप्रीत सिंह, जुगराज सिंह, संजय, सुमित और यशदीप सिवाच जैसे भरोसेमंद खिलाड़ी शामिल हैं. भारतीय टीम की सबसे बड़ी ताकत उसका मजबूत रक्षा तंत्र माना जा रहा है, जिसमें पेनाल्टी कॉर्नर विशेषज्ञ हरमनप्रीत विपक्षी टीमों के लिए सबसे बड़ा खतरा होंगे. मिडफील्ड में अनुभवी मनप्रीत सिंह, हार्दिक सिंह और विवेक सागर प्रसाद की तिकड़ी खेल की गति नियंत्रित करेगी. इनके साथ नीलाकांता शर्मा, युवा राजिंदर सिंह और आदित्य अर्जुन लालागे को भी मौका दिया गया है. वहीं आक्रमण की जिम्मेदारी मनदीप सिंह, दिलप्रीत सिंह, अभिषेक, सुखजीत सिंह और शिलानंद लाकड़ा के कंधों पर रहेगी.

चयनकर्ताओं ने ऐसे खिलाड़ियों पर भरोसा जताया है जो हाल के अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में शानदार फॉर्म में रहे हैं. मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने टीम चयन पर संतोष जताते हुए कहा कि यह संतुलित टीम है, जिसमें बड़े टूर्नामेंट का अनुभव और युवा खिलाड़ियों का जोश दोनों मौजूद हैं. उनके अनुसार टीम का फोकस केवल एक-एक मैच पर रहेगा और खिलाड़ी अपनी रणनीति के अनुसार आक्रामक हॉकी खेलेंगे. फुल्टन ने कहा कि 1975 विश्व कप जीत के बाद 50 वर्ष बीत चुके हैं और मौजूदा टीम के पास भारतीय हॉकी के इतिहास में नया अध्याय जोड़ने का सुनहरा अवसर है. भारत को विश्व कप में पूल-डी में रखा गया है, जहां उसका मुकाबला इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स से होगा.

कमिंस-हैजलवुड और लियोन की वापसी

टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम घोषित

- 13 अगस्त से डार्विन में शुरू होगी दो टेस्ट की सीरीज,
- चोट से उबरकर लौटे तीनों सीनियर खिलाड़ी

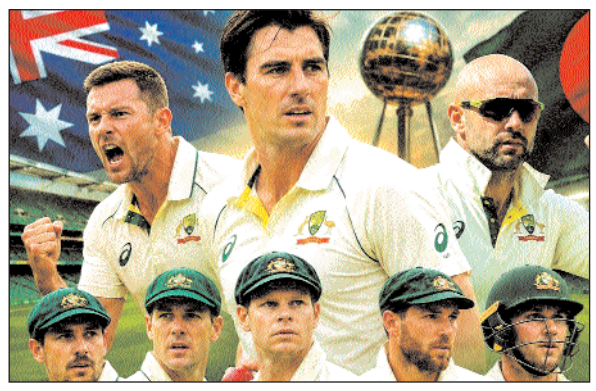

मेलबर्न, 21 जुलाई क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बांग्लादेश के खिलाफ अगस्त में खेली जाने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 13 सदस्यीय टीम का ऐलान कर दिया है. इस टीम में कप्तान पैट कमिंस, तेज गेंदबाज जोश हैजलवुड और अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन की वापसी सबसे बड़ी खबर रही.

चोट के कारण हालिया मुकाबलों से बाहर रहे ये तीनों खिलाड़ी अब पूरी तरह फिट होकर टीम में लौट आए हैं. इनकी वापसी से ऑस्ट्रेलियाई टीम की गेंदबाजी पहले से कहीं अधिक मजबूत नजर आ रही है. ऑस्ट्रेलिया और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट मुकाबला 13 से 17 अगस्त तक डार्विन में खेला जाएगा, जबकि दूसरा और अंतिम टेस्ट 22 से 26 अगस्त तक मैके में होगा. दोनों मुकाबले आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से बेहद अहम माने जा रहे हैं. फिलहाल ऑस्ट्रेलिया आठ मैचों में सात जीत के साथ 87.50 प्रतिशत अंक लेकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की अंकतालिका में शीर्ष स्थान पर बना हुआ है और वह इस बढ़त को बरकरार रखना चाहेगा. कप्तान पैट कमिंस पीठ की चोट से उबरने के बाद वापसी कर रहे हैं. चोट के कारण वह एशेज सीरीज में केवल एक टेस्ट मैच ही खेल सके थे. वहीं जोश हैजलवुड एड़ी और हैमस्ट्रिंग की समस्या के चलते पूरी एशेज सीरीज से बाहर रहे थे. अनुभवी ऑफ स्पिनर नाथन लियोन भी एडिलेड टेस्ट में हैमस्ट्रिंग चोट का शिकार होने के बाद सर्जरी से उबरकर टीम में लौटे हैं.

तीनों खिलाड़ियों की वापसी से ऑस्ट्रेलिया का गेंदबाजी आक्रमण एक बार फिर अपने सबसे मजबूत रूप में दिखाई देगा. सीनियर खिलाड़ियों की वापसी के चलते तेज गेंदबाज माइकल नेसर और ब्रेंडन डॉगेट को टीम से बाहर कर दिया गया है. हालांकि चयनकर्ताओं ने साफ किया है कि जरूरत पड़ने पर अतिरिक्त खिलाड़ियों को बाद में टीम से जोड़ा जा सकता है. बल्लेबाजी क्रम में कोई बड़ा बदलाव नहीं किया गया है. अनुभवी ओपनर उस्मान ख्वाजा के संन्यास के बाद भी टीम प्रबंधन ने शीर्ष क्रम में भरोसा बनाए रखा है. ट्रैविस हेड एक बार फिर ओपनिंग की जिम्मेदारी संभालेंगे, जबकि जेक वेदराल्ड को लगातार दूसरा मौका मिला है. खराब फॉर्म के बावजूद मार्नस लाबुशेन पर चयनकर्ताओं ने भरोसा जताया है.

गेंदबाजी विभाग में कमिंस, हैजलवुड और लियोन के अलावा मिचेल स्टार्क और स्कॉट बोलैंड भी टीम का हिस्सा हैं. ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन और ब्यू वेबस्टर प्लेइंग इलेवन में जगह बनाने की दौड़ में रहेंगे. विकेटकीपर बल्लेबाज जोश इंग्लिस को मध्यक्रम में अहम भूमिका निभाने की जिम्मेदारी मिल सकती है, जबकि स्टीव स्मिथ टीम की बल्लेबाजी की धुरी बने रहेंगे. बांग्लादेश के खिलाफ घरेलू परिस्थितियों में खेली जाने वाली यह टेस्ट सीरीज ऑस्ट्रेलिया के लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप में अपनी बढ़त मजबूत करने का शानदार अवसर होगी.

हार के 'दर्द' से उबरने में समय लगेगा : मेसी

न्यूयॉर्क, 21 जुलाई लियोनेल मेसी ने विश्व कप फाइनल में अर्जेंटीना की स्पेन से 1-0 से हार के बाद अपने 'दर्द' का वर्णन करते हुए कहा कि केवल समय ही टीम को परिणाम से उबरने में मदद करेगा.

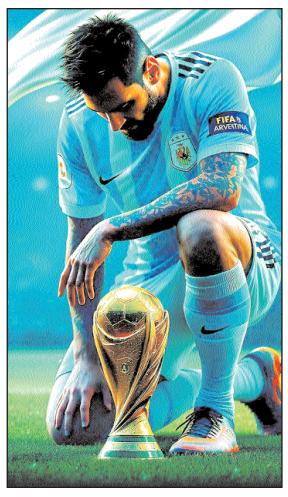

न्यू जर्सी में फेरान टोरेस के अतिरिक्त समय के गोल ने रविवार को अर्जेंटीना की लगातार खिताब जीतने की उम्मीदों को खत्म कर दिया और मेसी को दूसरे विश्व कप खिताब के साथ अपने शानदार करियर का अंत करने का मौका नहीं दिया.

39 वर्षीय खिलाड़ी के 2030 में अगले विश्व कप में खेलने की उम्मीद नहीं है, हालांकि उन्होंने अभी तक किसी भी सेवानिवृत्ति योजना की घोषणा नहीं की है.

मेसी ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'दर्द बहुत है और इस घाव को ठीक होने में समय लगेगा. लेकिन मैं सभी अच्छी चीजों पर भी कायम हूं. हमने अपना सब कुछ देकर मैच पलट दिया - वे पल जो हमारी यादों में हमेशा बने रहेंगे - और पूरे देश का समर्थन, जिसने इस समूह की कड़ी मेहनत और प्रयास के साथ मिलकर हमें एक बार फिर दुनिया के अभिजात वर्ग में वापस ला दिया.'

अर्जेंटीना ने फ़ाइनल में पहुंचने के लिए अपने अगले चार नॉकआउट मैचों में देर से किए गए गोलों पर निर्भर रहने से पहले ग्रुप चरण में सफलता हासिल की. मेसी ने टूर्नामेंट को आठ गोल और चार सहायता के साथ समाप्त किया, और कुछ लोगों ने टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के लिए गोल्डन बॉल पुरस्कार नहीं जीतने को दुर्भाग्यपूर्ण माना. बार्सिलोना और पेरिस सेंट-जर्मेन के पूर्व स्टार ने अपने साथियों की प्रशंसा की और टीम के प्रदर्शन पर गर्व व्यक्त किया.

वेस्ट इंडीज़ के खिलाड़ियों को रैंकिंग में फ़ायदा हुआ

दुबई, 21 जुलाई आयरलैंड पर सीरीज़ जीतने से वेस्ट इंडीज़ के व्हाइट-बॉल स्टार्स के एक ग्रुप को लेटेस्ट आईसीसी महिला वनडे प्लेयर रैंकिंग में शानदार तरक्की करने में मदद मिली है।

कैरेबियाई टीम ने चल रही आईसीसी विमेंस चैंपियनशिप के हिस्से के तौर पर आयरलैंड में 3-0 से सीरीज़ में शानदार जीत हासिल की, जिसमें कप्तान हेली मैथ्यूज़ ने एक बार फिर बल्ले और गेंद दोनों से शानदार प्रदर्शन किया और उन्हें प्लेयर ऑफ़ द सीरीज़ चुना गया।

मैथ्यूज़ ने तीनों मैचों में सीरीज़ के बेस्ट 265 रन बनाए और सात कीमती विकेट लेकर तीनों वनडे रैंकिंग कैटेगरी में टॉप 10 में अपनी जगह और पक्की कर ली, जबकि टीम की साथी स्टेफ़नी टेलर, आलिया एलेन, एफी फ्लेचर और डिएंड्रा डॉटिन को भी फ़ायदा हुआ। टेलर ने सीरीज़ के आखिरी मैच में शानदार सेंचुरी लगाई और इसके नतीजे में वनडे बैटर्स की रैंकिंग में एक पायदान ऊपर चढ़कर 22वें नंबर पर आ गईं, जबकि एलेनी उसी मैच में 33 रन की पारी के बाद चार पायदान ऊपर चढ़कर 73वें नंबर पर आ गईं।

स्पेन ने किया खास स्मृति टिकट जारी

मैड्रिड. स्पेन की पोस्टल सर्विस कोरियोस ने अर्जेंटीना के खिलाफ 2026 वर्ल्ड कप फाइनल में स्पेन की जीत की याद में मंगलवार को एक खास डाक टिकट जारी किया. डाक टिकट पर लाल बैकग्राउंड पर नेशनल टीम का बैज है, जो उसकी होम जर्सी के रंग से मेल खाता है, और दो स्टार देश के दो वर्ल्ड कप टाइटल को दिखाते हैं, जो 2010 और 2026 में जीते गए हैं. कोरियोस ने एक बयान में कहा, 'यह यादगार स्टैम्प एक ऐसे देश के गर्व का प्रतीक है जो एक और वर्ल्ड टाइटल का जश्न मना रहा है और दो ऐतिहासिक पीढ़ियों के बीच एक पुल बनाता है: एक जिसने 2010 में दुनिया जीती थी और एक जिसने 2026 में फिर से ऐसा किया है.'

एचएस प्रणय और देविका सिहाग पहले राउंड में बाहर

चांगझाऊ, 21 जुलाई भारतीय शटलरों की चाइना ओपन 2026 बैडमिंटन टूर्नामेंट में निराशाजनक शुरुआत हुई, जब एचएस प्रणय और देविका सिहाग दोनों मंगलवार को पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना के चांगझाऊ में पहले राउंड में ही बाहर हो गए.

ओलंपिक स्पोर्ट्स सेंटर जिम्नेजियम में मुकाबला कर रहे एचएस प्रणय, जो पुरुषों की सिंगल्स बैडमिंटन रैंकिंग में 36वें स्थान पर हैं, मलेशिया के दुनिया के 27वें नंबर के खिलाड़ी लियोंग जुन हाओ से 21-10, 21-14 से हार गए. एचएस प्रणय का पहले राउंड में बाहर होना 2026 में उनके निराशाजनक प्रदर्शन को और बढ़ा देता है, एशियन गेम्स के मेडलिस्ट इस सीज़न में खेले गए आठ टूर्नामेंट में से किसी में भी दूसरे राउंड से आगे नहीं बढ़ पाए हैं.

शुरू से ही अपनी लय पाने के लिए संघर्ष करते हुए, 34 साल के एचएस प्रणय इंटरवल तक 11-2 से पीछे थे, इससे पहले कि बिना ज़्यादा विरोध के पहला गेम हार गए.

भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने दूसरे गेम में कड़ी चुनौती दी, इंटरवल तक 11-8 से पीछे थे, लेकिन सिर्फ़ छह और पॉइंट ही जोड़ सके, जिससे मलेशियाई खिलाड़ी ने 32 मिनट में मुकाबला अपने नाम कर लिया. एचएस प्रणय पर लिओंग जून हाओ की जीत भारतीय खिलाड़ी के ख़िलाफ़ चार मैचों में उनकी दूसरी जीत थी.

तेनजिंग अवॉर्ड 2025 के लिए ऑनलाइन नॉमिनेशन शुरू

नयी दिल्ली, 21 जुलाई. युवा मामले और खेल मंत्रालय, तेनजिंग नोर्गे नेशनल एडवेंचर अवॉर्ड 2025 के लिए ऑनलाइन नॉमिनेशन आमंत्रित करता है. यह भारत का सबसे बड़ा नेशनल सम्मान है जो एडवेंचर के क्षेत्र में शानदार कामों के लिए दिया जाता है. नॉमिनेशन 21 जुलाई से 20 अगस्त 2026 तक गृह मंत्रालय के नेशनल अवॉर्ड पोर्टल के ज़रिए खुले रहेंगे.

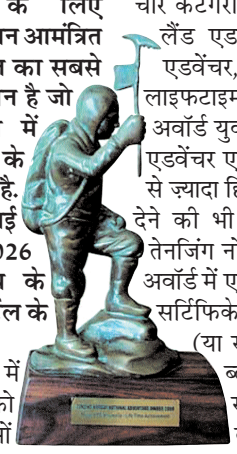

एडवेंचर के क्षेत्र में असाधारण कामों को पहचानने और युवाओं में धीरज, हिम्मत, टीमवर्क और लीडरशिप की भावना जगाने के लिए शुरू किया गया यह अवॉर्ड चार कैटेगरी में दिया जाता है— लैंड एडवेंचर, वॉटर (सी) एडवेंचर, एयर एडवेंचर और लाइफटाइम अचीवमेंट. यह अवॉर्ड युवा भारतीयों के बीच एडवेंचर एक्टिविटीज़ में ज़्यादा से ज़्यादा हिस्सा लेने को बढ़ावा देने की भी कोशिश करता है. तेनजिंग नोर्गे नेशनल एडवेंचर अवॉर्ड में एक ब्रॉन्ज़ स्टैच्यू, एक सर्टिफिकेट, सिल्क की टाई (या साड़ी) के साथ एक ब्लेज़र और 15 लाख रुपये की अवॉर्ड मनी दी जाती है.

भारतीय पुरुष और महिला टीमों ने जीत दर्ज की

यूथ हॉकी5 एस एशियन चैंपियनशिप

मस्कट (ओमान), 21 जुलाई भारतीय सब-जूनियर पुरुष और महिला टीमों ने यहां यूथ हॉकी5 एस एशियन चैंपियनशिप 2026 में अपने-अपने कैंपेन की जीत से शुरुआत की.

भारतीय टीमों को पुरुष और महिला कॉम्पिटिशन के एलीट पूल में रखा गया है. भारतीय महिला टीम ने टूर्नामेंट के पहले दिन कजाकिस्तान के खिलाफ अपना कैंपेन शुरू किया और 8-3 से जीत हासिल की. पुरुष टीम ने बाद में अपने पहले मैच में बंगलादेश का सामना किया और सोमवार को 7-3 से जीत दर्ज की.

दिया की हैट्रिक (14', 15', 20') की लीडरशिप में महिला टीम ने ज़बरदस्त अटैकिंग खेल दिखाया. संदीपा कुमारी (3', 12'), नौशीन नाज़ (6', 9') और नीलम टोपनो (7') स्कोर करने वाली अन्य खिलाड़ी थीं. भारत ने शुरुआती हाफ में अच्छी बढ़त बनाई और फिर दोबारा मैच शुरू होने पर भी इसी लय को बनाए रखा. दूसरे हाफ में दिया ने शानदार हैट्रिक लगाकर नतीजा पक्का कर दिया.

बंगलादेश को भारत की मेज़बानी के लिए खेल कूटनीति से उम्मीदें

ढाका, 21 जुलाई बंगलादेश के युवा और खेल राज्य मंत्री अमीनुल हक ने मंगलवार को कहा कि उनका देश सितंबर में भारत की मेज़बानी करने के लिए उत्सुक है और उनका मानना है कि दोनों देशों के बीच किसी भी दूरी को खेल कूटनीति के ज़रिए कम किया जा सकता है.

बीसीबी ने साल की शुरुआत में घोषणा की थी कि वे अगस्त-सितंबर 2026 में तीन मैचों की वनडे और टी 20 सीरीज़ के लिए भारत की मेज़बानी करेंगे, क्योंकि यह दौरा जो शुरू में 2025 के लिए तय था, दोनों देशों के बीच डिप्लोमैटिक तनाव के कारण रद्द कर दिया गया था. बंगलादेश और भारत के बीच हाल के दिनों में रिश्ते खराब रहे हैं, जिसकी वजह से उस समय की यूनुस सरकार को सिक्योरिटी की वजह से भारत में हुए पिछले टी 20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेने से पीछे हटना पड़ा था, जिससे टूर की संभावना पर शक पैदा हो गया था. इस महीने की शुरुआत में जब बीसीबी ने इंडिया सीरीज़ के लिए टेलीविज़न और मीडिया राइट्स बेचने शुरू किए, तो टूर के पटरी पर लौटने के संकेत मिले. जबकि पहले इस पर बातचीत हुई थी, जिससे भारत के बंगलादेश टूर का रास्ता साफ हो सकता था.

रोनाल्डो के एक 'लाइक' से मचा फुटबॉल में बवाल

- रोनाल्डो के इंस्टाग्राम 'लाइक' का स्क्रीनशॉट वायरल
- फीफा पर अर्जेंटीना की मदद करने के दावों ने पकड़ा तूल

नयी दिल्ली, 21 जुलाई क्रिस्टियानो रोनाल्डो के इंस्टाग्राम अकाउंट से किए गए एक 'लाइक' ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में नई बहस को जन्म दे दिया है.

सोशल मीडिया पर वायरल एक स्क्रीनशॉट में रोनाल्डो का वेरिफाइड अकाउंट उस वीडियो को लाइक करने वालों की सूची में दिखाई दे रहा है, जिसमें फीफा पर 2026 फीफा विश्व कप के दौरान अर्जेंटीना को रेफरी और फैसलों के जरिए अनुचित लाभ पहुंचाने का आरोप लगाया गया है। रोनाल्डो की ओर से इस मामले में कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन उनके इस कदम के बाद फुटबॉल प्रशंसकों के बीच मेसी, अर्जेंटीना और फीफा को लेकर विवाद फिर तेज हो गया है। वायरल वीडियो में दावा किया गया है कि नॉकआउट मुकाबलों में अर्जेंटीना को कई अहम फैसलों का फायदा मिला, जिससे उसकी फाइनल तक की राह आसान हुई। हालांकि, फीफा ने पहले ही ऐसे सभी आरोपों को खारिज किया है और रेफरी प्रमुख पियरलुइगी कोलिना ने स्पष्ट किया है कि सभी फैसले फुटबॉल के नियमों के अनुरूप लिए गए थे। अब तक किसी भी जांच या आधिकारिक रिपोर्ट में फीफा पर पक्षपात या मैच फिक्सिंग के आरोप साबित नहीं हुए हैं। ऐसे में रोनाल्डो के एक 'लाइक' ने सोशल मीडिया पर बहस जरूर छेड़ दी है, लेकिन आरोप अभी केवल दावों और अटकलों तक ही सीमित हैं.

बुडापेस्ट में नए शतरंज दौर की शुरुआत

चेन्नई, 21 जुलाई. इस नवंबर में एलीट चेस में एक नए युग की शुरुआत होगी, जब बुडापेस्ट, जिसने जुडिट पोल्गार जैसे आइकॉन दिए हैं, फिडे-अप्रूव्ड टोटल चेस वर्ल्ड चैंपियनशिप टूर के ऑफिशियल पायलट को होस्ट करेगा. यह नॉर्वे चेस द्वारा बनाई गई एक ग्राउंड-ब्रेकिंग ग्लोबल चैंपियनशिप है जो खिलाड़ियों और दुनिया के फैंस के लिए खेल का अनुभव करने के तरीके को फिर से परिभाषित करती है.

फिडे ने मंगलवार को कहा कि 10-21 नवंबर 2026 तक, दुनिया के एलीट पुरुष और महिलाएं, जिसमें वर्ल्ड नंबर 1 मैग्नस कार्लसन भी शामिल हैं, बुडापेस्ट में ब्लिट्ज़, रैपिड और फास्ट क्लासिक में मुकाबला करेंगे ताकि चेस के सबसे कम्प्लीट खिलाड़ी का फैसला किया जा सके. ट्रेडिशनल टूर्नामेंट जो सिंगल टाइम कंट्रोल पर फोकस करते हैं, उनसे अलग, टोटल चेस वर्ल्ड चैंपियनशिप टूर वर्सेटिलिटी, कंसिस्टेंसी और एडैप्टेबिलिटी को इनाम देता है. खिलाड़ियों का टेस्ट ब्लिट्ज़ की ज़बरदस्त पेस, रैपिड की टैक्टिकल इंटेंसिटी और फास्ट क्लासिक की स्ट्रेटेजिक डेप्थ पर होगा.

आयोजन 1930 में 'ब्रिटिश एम्पायर गेम्स' के रूप में हुई थी राष्ट्रमंडल खेलों की शुरुआत

ग्लासगो चौथी बार करेगा कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी

नई दिल्ली, 21 जुलाई राष्ट्रमंडल खेल (कॉमनवेल्थ गेम्स) दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित बहु-खेल आयोजनों में गिने जाते हैं. इन खेलों की शुरुआत वर्ष 1930 में कनाडा के हैमिल्टन शहर में 'ब्रिटिश एम्पायर गेम्स' के नाम से हुई थी. समय के साथ इन खेलों का स्वरूप और दायरा लगातार बढ़ता गया और आज यह कॉमनवेल्थ देशों के खिलाड़ियों के लिए ओलंपिक के बाद सबसे बड़े बहु-खेल आयोजनों में शामिल है.

आमतौर पर इन खेलों का आयोजन हर चार वर्ष में किया जाता है, हालांकि द्वितीय विश्व युद्ध के कारण 1942 और 1946 में प्रतियोगिता आयोजित नहीं हो सकी थी. राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी के इतिहास पर नजर डालें तो ऑस्ट्रेलिया सबसे सफल मेजबान देश रहा है. उसने अब तक पांच बार इन खेलों का आयोजन किया है. इसके बाद कनाडा चार बार मेजबान बना, जबकि 2026 में ग्लासगो में होने वाले आयोजन के साथ स्कॉटलैंड भी चौथी बार मेजबानी करने वाले देशों की सूची में शामिल हो जाएगा. इंग्लैंड और न्यूजीलैंड तीन-तीन बार इन खेलों की मेजबानी कर चुके हैं. भारत, मलेशिया, जमैका और वेल्स को अब तक एक-एक बार आयोजन का अवसर मिला है. भारत का राष्ट्रमंडल खेलों से जुड़ाव भी काफी पुराना है. अविभाजित भारत ने 1934 और 1938 के संस्करणों में हिस्सा लिया था. स्वतंत्रता के बाद भारत ने अलग राष्ट्र के रूप में प्रतियोगिता में भाग लेना शुरू किया और समय के साथ शानदार प्रदर्शन भी किया. भारत को पहली बार 2010 में नई दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों की मेजबानी का अवसर मिला. यह आयोजन कई चुनौतियों के बावजूद सफल रहा और भारत ने अपने इतिहास का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए पदक तालिका में दूसरा स्थान हासिल किया था. अब दुनिया की नजरें ग्लासगो राष्ट्रमंडल खेल 2026 पर हैं, जिनका आयोजन 28 जुलाई से 8 अगस्त तक स्कॉटलैंड में होगा. यह चौथा अवसर होगा जब स्कॉटलैंड इन खेलों की मेजबानी करेगा.

जैकब बेथेल घुटने की चोट के कारण द हंड्रेड से बाहर हो गए

लंदन, 21 जुलाई. जैकब बेथेल दाहिने घुटने की चोट के कारण मेन्स हंड्रेड 2026 से बाहर हो गए हैं। द हंड्रेड के पहले प्लेयर ऑक्शन से पहले बर्मिंघम फ़ीनिक्स ने बेथेल को 340,000 पौंड में रिटेन किया था और सीज़न से पहले उन्हें टीम का कैप्टन भी बनाया गया था। बेथेल को भारत के ख़िलाफ़ हाल ही में खत्म हुई वनडे सीरीज़ के दौरान चोट लगी थी, और सोमवार सुबह उनका एमआरआई स्कैन हुआ, जिससे वह 100 गेंदों वाले कॉम्पिटिशन से बाहर हो गए। बेथेल जल्द ही अपना रिहैबिलिटेशन शुरू करेंगे। बेथेल ने दूसरे टी 20 में 46 गेंदों पर 76* रन और आख़िरी वनडे में 91 रन बनाए, इस दौरान उन्होंने कई कम स्कोर भी बनाए.